

अचल सम्पत्ति के विक्रय के लिए करार – प्रारूप

यह करार दिनांक.....माह.....सन्.....को श्री आत्मजआयु.वर्ष निवासी.....(जिसे आगे “विक्रेता” कहा गया है) एवं जो इस विलेख का प्रथम पक्षकार है तथा आत्मज आयु.....वर्ष निवासी..... (जिसे आगे “क्रेता” कहा गया है) एवं जो इस विलेख का द्वितीय पक्षकार है के बीच (ग्राम/शहर का नाम) में निष्पादित किया गया ।

उक्त प्रथम पक्षकार की निम्नानुसार अचल सम्पत्तिरोड़ पर स्थित है, जिसका कि वह पूर्ण रूपेण स्वामी होकर उसका अधिपत्यधारी है :-

(संपत्ति का विस्तृत विवरण)

.....
.....
.....

और चूंकि विक्रेता को कौटुम्बिक आवश्यकता के लिए रुपये.....की आवश्यकता है, जिससे विक्रेता अपनी उक्त अचल सम्पत्ति का विक्रय करने का इच्छुक है एवं उक्त क्रेता भी इसे खरीदने लिए सहमत है । अतएव अब यह विलेख साक्ष्यांकित करता है :-

- (1) कि उक्त विक्रेता के अनुरोध पर उक्त क्रेता उससे उक्त अचल संपत्ति को, जिसका मूल्यरु. निश्चित किया गया है, खरीदने का करार करता है ।
- (2) कि क्रेता ने विक्रेता को रु..... अग्रिम राशि दिनांक को अदा की है एवं बकाया राशि वह रजिस्ट्रेशन कार्यालय में रजिस्ट्री के समय अदा करेगा ।
- (3) कि विक्रेता दिनांक को रजिस्ट्रीकरण कार्यालय में उपस्थित होकर क्रेता के पक्ष में विक्रय-विलेख निष्पादित कर कार्यालय में रजिस्ट्री के लिए प्रस्तुत करेगा । सम्पत्ति का कब्जा क्रेता को विक्रय विलेख के निष्पादन के पश्चात् ही सौंपा जाएगा ।
- (4) कि विक्रेता इसमें किसी प्रकार की चूक नहीं करेगा और विक्रेता द्वारा इसमें किसी प्रकार की अनियमितता किए जाने पर क्रेता उससे क्षतिपूर्ति स्वरूप रु. पाने का अधिकारी होगा ।
- (5) कि क्रेता भी करार की शर्तों के अनुसार तिथि पर रुपये लेकर रजिस्ट्रीकरण कार्यालय में उपस्थित होगा । क्रेता द्वारा इसमें किसी प्रकार चूक होने पर विक्रेता को यह अधिकार होगा कि वह उक्त करार को विखण्डित कर दे एवं क्रेता से क्षतिपूर्ति स्वरूप रु. प्राप्त करे ।
- (6) कि उक्त मकान सभी प्रकार के भारों एवं अभिभारों से मुक्त होगा तथा भविष्य में किसी भी प्रकार का विवाद उत्पन्न होने उसका दायित्व विक्रेता पर होगा ।
- (7) कि रजिस्ट्री एवं विक्रय-विलेख के निष्पादन का सारा व्यय क्रेता वहन करेगा ।

उपर्युक्त के साक्ष्य स्वरूप हम दोनों पक्षकारों ने निम्नलिखित दो साक्षियों के समक्ष उपर्युक्त स्थान एवं दिनांक पर अपने हस्ताक्षर कर दिये हैं ।

साक्षीगण :-

- (1)
- (2)

हस्ताक्षर
(विक्रेता)
हस्ताक्षर
(क्रेता)